# एमएसएमई के लिए बनाए जाएं फ्लैटेड फैक्ट्री कांप्लेक्स : योगी आदित्यनाथ

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के कामकाज की समीक्षा की
- कहा, युवा उद्यमियों को ऋण से पहले दिया जाए प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, जागरण• लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को और बढ़ावा देने के लिए फ्लैटेड फैक्ट्री कांप्लेक्सों का निर्माण किया जाए। इससे सीमित स्थान में कई इकाइयों का संचालन किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना के तहत युवाओं को अपना उद्यम शुरू करने के लिए ऋण देने से पहले प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। कहा कि वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर एमएसएमई उत्पादों की पैकेजिंग, ब्रांडिंग व मार्केटिंग के लिए उद्यमियों को प्रशिक्षण देकर उनकी मदद की जाए।

मंगलवार को एमएसएमई विभाग के कामकाज की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फ्लैटेड फैक्ट्री कांप्लेक्स एमएसएमई इकाइयों के लिए एक उत्कृष्ट माडल है। कानपुर में इसका सफल उदाहरण देखा गया है। मुख्यमंत्री ने इस माडल को अन्य नगरों में विस्तार देने और निजी क्षेत्र को भी इसमें भागीदार बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा एमएसएमई बेस है। इसलिए इस क्षेत्र से जुड़े युवाओं की क्षमता संवर्धन के लिए ठोस रणनीति अपनाई जाए। कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयां सक्रिय हैं, जो राज्य के कुल निर्यात में करीब 46 प्रतिशत का योगदान कर रही हैं। इन इकाइयों से 1.65 करोड़ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वोकल फार लोकल', 'लोकल टू ग्लोबल' और 'ब्रांड यूपी' के मंत्र को साकार करने के लिए एमएसएमई क्षेत्र को और अधिक विकसित करना होगा।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की शिल्पकला, कृषि आधारित उत्पादन और नवाचार पर आधारित उद्यमशीलता को अब वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का समय है। एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना प्रदेश की पारंपरिक शिल्पकला और लघु उद्योगों के पुनर्जीवन का आधार बनी है। वर्ष 2018 से अब तक 635 करोड़ की मार्जिन मनी (निश्चित राशि) वितरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीआइ टैग प्राप्त उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए संबंधित उद्यमियों को 'जीआइ प्रमाणित यूजर' के रूप में पंजीकृत किया जाए। योगी ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना व सीएम फेलो के कार्यों की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत अब तक 31 हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं। इसके सापेक्ष 760 करोड़ की मार्जिन मनी वितरित की जा चुकी है। इससे लगभग ढाई लाख रोजगार सृजित हुए हैं।